*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [15]

1. कवि के अनुसार किस हृदय को पत्थर के समान बताया गया है?

   (A) जिसमें क्रोध भरा हो (B) जिसमें दया न हो

   (C) जिसमें स्वदेश का प्यार न हो (D) जिसमें जोश न हो

   उत्तर : (C) जिसमें स्वदेश का प्यार न हो

2. हमें दाना-पानी और जन्म कहाँ से मिला?

   (A) नदियों से (B) आसमान से (C) मातृभूमि की मिट्टी से (D) पूर्वजों से

   उत्तर : (C) मातृभूमि की मिट्टी से

3. 'जो चल न सका संसार-संग' का तात्पर्य है -

   (A) जो दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर न चल सके।

   (B) जो भ्रमण न कर सके।

   (C) जो यात्रा न कर सके।

   (D) जो लोगों से दूरी बनाए रखे।

   उत्तर: (A) जो दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर न चल सके।

4. “जो जीवित जोश जगा न सका, उस जीवन में कुछ सार नहीं” - इस पंक्ति का क्या अर्थ है?

   (A) जोश जगाने वाला व्यक्ति ही जीवित है।

   (B) जिस जीवन में उत्साह और प्रेरणा न हो, वह व्यर्थ है।

   (C) केवल जीवित रहना ही काफी नहीं है।

   (D) जोश जगाने से जीवन में बदलाव आता है।

   उत्तर : (B) जिस जीवन में उत्साह और प्रेरणा न हो, वह व्यर्थ है।

5. कवि के अनुसार, जिसने साहस छोड़ दिया, वह क्या नहीं कर पाएगा?

   (A) धन नहीं कमा पाएगा। (B) खुशी प्राप्त नहीं कर पाएगा।

   (C) लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाएगा। (D) दोस्त नहीं बना पाएगा।

   उत्तर : (C) लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाएगा।

6. किसका उद्धार नहीं हो पाएगा, ऐसा कवि ने कहा है?

   (A) जिसने साहस नहीं दिखाया (B) जिसने अपनी जाति का उद्धार नहीं किया

   (C) जिसने देश की सेवा नहीं की (D) जो ज्ञान प्राप्त नहीं कर सका

   उत्तर : (B) जिसने अपनी जाति का उद्धार नहीं किया

7. “जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रस-धार नहीं” यहाँ 'रस-धार' से क्या अभिप्राय है?

   (A) नदी का पानी (B) भावनाओं का प्रवाह (C) धन का प्रवाह (D) वाणी का माधुर्य

   उत्तर : (B) भावनाओं का प्रवाह

8. 'जिस पर है दुनिया दीवानी' का तात्पर्य है-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(A) दुनिया उस देश की दुश्मन है। (B) दुनिया उस देश की सुंदरता पर मोहित है।
(C) दुनिया उस देश से डरती है। (D) दुनिया उस देश को पहचानती नहीं।

उत्तर : (B) दुनिया उस देश की सुंदरता पर मोहित है।

9. देश ने हमें कैसे रत्न दिए हैं?
(A) पुराने और साधारण (B) नए और बेमिसाल (C) उधार के (D) विदेशी

उत्तर : (B) नए और बेमिसाल

10. 'हम हैं जिसके राजा-रानी' - इस पंक्ति में 'हम' शब्द किसके लिए आया है?
(A) कवि और उसके मित्र (B) देश के शासक (C) देश के समस्त नागरिक (D) देश के सैनिक

उत्तर : (C) देश के समस्त नागरिक

11. कवि के अनुसार, वह व्यक्ति क्या है जो अपनी मातृभूमि पर नहीं पसीजता?
(A) एक संत (B) भू का भार (C) एक ज्ञानी (D) एक नेता

उत्तर : (B) भू का भार

12. 'जिस पर ज्ञानी भी मरते हैं'- इस पंक्ति का क्या अर्थ है?
(A) ज्ञानी लोग देश के लिए मर जाते हैं।
(B) ज्ञानी लोग देश की समस्याओं से दुःखी होते हैं।
(C) ज्ञानी लोग देश के गौरव पर अपना सर्वस्व न्योछावर करते हैं।
(D) ज्ञानी लोग देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं।

उत्तर : (C) ज्ञानी लोग देश के गौरव पर अपना सर्वस्व न्योछावर करते हैं।

13. 'है जान एक दिन जाने को'- इस पंक्ति का मुख्य संदेश क्या है?
(A) जीवन का आनंद लेना चाहिए (B) मृत्यु अटल है
(C) यात्रा पर निकलना चाहिए (D) ज्ञान प्राप्त करना चाहिए।

उत्तर : (B) मृत्यु अटल है

14. कविता में कवि ने देश के लिए कार्य करने हेतु किसकी आवश्यकता को नकारा है?
(A) साहस की (B) धन की (C) तोप या तलवार की (D) एकता की

उत्तर : (C) तोप या तलवार की

15. 'काल-दीप' और 'परवानों' का प्रयोग किसके प्रतीक के रूप में किया गया है?
(A) दीपक और प्रकाश (B) समय और मनुष्य (C) आग और पतंगा (D) जीवन और मृत्यु

उत्तर : (B) समय और मनुष्य

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **[10]**

16. कवि ने देश को अपनी ____________ कहा है।

उत्तर : जननी

17. जो व्यक्ति समय के साथ मिलकर नहीं चलता ____________ नहीं कर पाता है।

उत्तर : प्रगति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

18. देश की आन-बान हमारी __________ है।

उत्तर : शान

19. मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने की __________ की है।

उत्तर : प्रतिज्ञा

20. स्वदेश के लिए प्राण देना हमारा __________ है।

उत्तर : कर्त्तव्य

21. स्वदेश में हमारे __________ बसते हैं।

उत्तर : पूर्वज

22. स्वदेश हमारी __________ है।

उत्तर : मातृभूमि

23. हमारी शक्ति और बल का स्रोत __________ है।

उत्तर : स्वदेश

24. कवि कहता है कि हमें अपने देश की __________ करनी चाहिए।

उत्तर : रक्षा

25. स्वदेश कविता देश-प्रेम की भावना से __________ है।

उत्तर : ओतप्रोत

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** [14]

26. कवि ने किसे भू का भार बताया है?

उत्तर : कवि ने उस व्यक्ति को भू का भार बताया है जो अपनी मातृभूमि पर पसीजता नहीं है।

27. जीवन में सार कब नहीं होता?

उत्तर : जब व्यक्ति जीवित जोश नहीं जगा पाता, तब उसके जीवन में कोई सार नहीं होता।

28. 'काल-दीप' हरदम क्या करता है?

उत्तर : 'काल-दीप' हरदम जलता रहता है।

29. जो संसार के संग नहीं चलता, उसका क्या नहीं होता?

उत्तर : जो संसार के संग नहीं चलता, वह प्रगति नहीं कर पाता।

30. ज्ञानी और दुनिया किस पर मुग्ध हैं?

उत्तर : ज्ञानी और दुनिया हमारे देश की महानता और गौरव पर मुग्ध हैं।

31. देश ने हमें कैसे रत्न दिए हैं?

उत्तर : देश ने हमें नए और बेमिसाल (लासानी) रत्न दिए हैं।

32. रस-धार किस हृदय में नहीं बहती?

उत्तर : रस-धार उस हृदय में नहीं बहती जो भावों से भरा नहीं होता।

33. साहस छोड़ने वाले के साथ क्या होता है?

उत्तर : साहस छोड़ने वाला व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

34. हमारे माता-पिता और बंधु कहाँ हैं?

उत्तर : हमारे माता-पिता और बंधु हमारे इसी देश में हैं।

35. हमें दाना-पानी कहाँ से मिला?

उत्तर : हमें अपनी मातृभूमि की मिट्टी से दाना-पानी मिला।

36. जान का एक दिन क्या होना निश्चित है?

उत्तर : जान का एक दिन जाना निश्चित है, अर्थात् मृत्यु निश्चित है।

37. परवानों को क्या करना है?

उत्तर : परवानों को 'काल-दीप' में जल जाना है।

38. कवि किस हृदय को पत्थर के समान बताते हैं?

उत्तर : जिस हृदय में अपने देश का प्यार नहीं होता, उसे कवि पत्थर के समान बताते हैं।

39. किसका उद्धार नहीं होगा?

उत्तर : जिसने अपनी जाति का उद्धार नहीं किया, उसका स्वयं का उद्धार नहीं होगा।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [20]**

40. कवि ने 'पत्थर हृदय' की क्या विशेषताएँ बताई हैं?

उत्तर : कवि के अनुसार, पत्थर हृदय वह है जिसमें अपने देश के लिए प्यार नहीं होता। ऐसा हृदय संवेदनहीन और भावनाओं से रहित होता है, जिसमें किसी प्रकार की रस-धार नहीं बहती।

41. 'संसार-संग' चलने का क्या महत्त्व है?

उत्तर : 'संसार-संग' चलने का अर्थ है समाज और समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना। कवि का मानना है कि जो व्यक्ति ऐसा नहीं करता, वह अकेला रह जाता है और जीवन में सफल नहीं हो पाता।

42. कवि ने जीवन की नश्वरता का संदेश कैसे दिया है?

उत्तर : कवि कहते हैं कि यह निश्चित है कि मृत्यु एक दिन आनी है। वे जीवन को 'काल-दीप' (समय का दीपक) के समान बताते हैं जो हर पल जलता रहता है, और मनुष्यों को 'परवानों' की तरह इसमें जल जाना है।

43. कवि ने मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता कैसे व्यक्त की है?

उत्तर : कवि मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इसी मिट्टी में हम पले और बढ़े हैं, इसी से हमें दाना-पानी मिला। यह वही भूमि है जहाँ हमारे माता-पिता और बंधु रहते हैं।

44. देश की समृद्धि को कवि ने कैसे दर्शाया है?

उत्तर : कवि ने कहा है कि देश ने अपने खजाने खोल दिए हैं और हमें नए, बेमिसाल रत्न दिए हैं। यह देश की प्राकृतिक संपदा, ज्ञान और संस्कृति की समृद्धि की ओर इशारा करता है।

45. 'सब कुछ है अपने हाथों में, क्या तोप नहीं तलवार नहीं' - इस पंक्ति का क्या अर्थ है?

उत्तर : कवि इस पंक्ति से यह संदेश देते हैं कि देश के लिए कुछ भी करने की शक्ति और इच्छाशक्ति हमारे अपने भीतर है। हमें किसी बाहरी उपकरण जैसे तोप या तलवार की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आंतरिक दृढ़ता ही काफी है।

46. 'हम हैं जिसके राजा-रानी' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : इस पंक्ति से कवि यह भाव व्यक्त करते हैं कि हम इस देश के नागरिक हैं और हमें इस भूमि पर पूर्ण अधिकार व सम्मान प्राप्त है। यह अपने देश के प्रति स्वामित्व और गौरव की भावना को दर्शाता है।

47. 'जाति-उद्धार' और 'आत्म-उद्धार' के संबंध को समझाइए।

उत्तर : जाति-उद्धार का अर्थ- कोई व्यक्ति अपनी जाति (समुदाय या समाज) का भला नहीं करता, तो उसका स्वयं का उद्धार भी संभव नहीं है। इसका अर्थ है कि व्यक्तिगत प्रगति सामाजिक कल्याण से जुड़ी हुई है।
आत्म-उद्धार का अर्थ- स्वयं को नैतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक रूप से सुधारना और आगे बढ़ाना।

48. 'जिस पर ज्ञानी भी मरते हैं, जिस पर है दुनिया दीवानी' - इन पंक्तियों का महत्त्व बताइए।

उत्तर : यह पंक्तियाँ देश की अतुलनीय महानता और वैश्विक पहचान को दर्शाती हैं। कवि कहते हैं कि हमारा देश इतना गौरवशाली है कि ज्ञानी पुरुष भी इस पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहते हैं और पूरी दुनिया इसकी दीवानगी में डूबी है।

49. कविता के अनुसार साहस छोड़ने के परिणामों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : कविता बताती है कि जिसने साहस को छोड़ दिया, वह कभी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। साहस के बिना कोई भी व्यक्ति जीवन की बाधाओं को पार करके सफलता तक नहीं पहुँच सकता।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [18]**

50. कवि ने एक आदर्श जीवन की क्या विशेषताएँ बताई हैं? उन पंक्तियों का उल्लेख करते हुए समझाइए।

उत्तर : कवि ने एक आदर्श जीवन के लिए कई महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ बताई हैं। उनके अनुसार, जीवन में जोश और उत्साह होना चाहिए, अन्यथा वह व्यर्थ है। व्यक्ति को संसार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए, सामाजिक होना चाहिए। साहस का होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इसके बिना कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। साथ ही, अपने समुदाय या जाति का उद्धार करने की भावना भी होनी चाहिए, क्योंकि इसके बिना स्वयं का उद्धार भी संभव नहीं।

51. कविता 'स्वदेश' में कवि ने 'हृदय' और 'पत्थर' के माध्यम से क्या संदेश दिया है? इस रूपक का विस्तार से वर्णन करें।

उत्तर : कवि ने 'स्वदेश' कविता में 'हृदय' और 'पत्थर' के रूपक का प्रयोग करके देश प्रेम के महत्त्व पर गहरा संदेश दिया है। उनके अनुसार जिस हृदय में अपने देश के लिए प्रेम या भावनाएँ नहीं होतीं, वह हृदय होते हुए भी पत्थर के समान निर्जीव और संवेदनहीन है। यह रूपक उन व्यक्तियों की उदासीनता और निष्प्राणता को दर्शाता है जो अपनी जन्मभूमि के प्रति कोई स्नेह या कृतज्ञता नहीं रखते।

52. 'स्वदेश' कविता राष्ट्रप्रेम की भावना को किस प्रकार प्रेरित करती है? कविता के प्रमुख बिंदुओं के आधार पर उत्तर दें।

उत्तर : 'स्वदेश' कविता विभिन्न तरीकों से राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रेरित करती है। यह उन लोगों की निंदा करती है जिनमें देश प्रेम का अभाव है, उन्हें 'पत्थर हृदय' कहती है। कवि यह भी बताते हैं कि देश ने हमें जीवन, अन्न-जल और अमूल्य रत्न दिए हैं। वे देश के गौरव और महत्त्व को दर्शाते हैं जिस पर ज्ञानी पुरुष और दुनिया दोनों मुग्ध हैं। अंत में, यह हमें याद दिलाती है कि देश के लिए कुछ करने की शक्ति हमारे भीतर ही है।

53. 'काल-दीप' और 'परवानों' के माध्यम से कवि ने जीवन के किस सत्य को उजागर किया है? इसका हमारे कर्तव्यों से क्या संबंध है?

उत्तर : 'काल-दीप' और 'परवानों' के रूपक के माध्यम से कवि ने जीवन की नश्वरता और मृत्यु के अटल सत्य को उजागर किया है। 'काल-दीप' समय का प्रतीक है जो लगातार जल रहा है, और 'परवाने' मनुष्यों का प्रतीक हैं जो

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

अंततः इस समय में विलीन हो जाएँगे। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन क्षणभंगुर है। हमें अपने सीमित जीवन काल में देश और समाज के लिए सार्थक कार्य करने चाहिए, न कि व्यर्थ में समय गँवाना चाहिए।

54. कविता 'स्वदेश' का केंद्रीय भाव क्या है? अपने शब्दों में स्पष्ट करें और कविता के समापन से इसे कैसे जोड़ा गया है?

उत्तर : कविता 'स्वदेश' का केंद्रीय भाव देश-प्रेम, राष्ट्रीय गौरव और अपने देश के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा है। कवि गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' इस कविता के माध्यम से देशवासियों में अपने राष्ट्र के प्रति गहन प्रेम और समर्पण की भावना जगाना चाहते हैं। वे बताते हैं कि वह जीवन व्यर्थ है जिसमें देश-प्रेम, उत्साह और साहस नहीं है। कविता का समापन भी उसी पंक्ति से होता है जिससे यह शुरू हुई थी। देश प्रेम ही सच्चा मानवीय गुण है और इसके बिना जीवन अधूरा है।

55. कवि 'सनेही' ने अपनी कविता में देश के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को किस प्रकार रेखांकित किया है?

उत्तर : कवि 'सनेही' ने कविता में देश के प्रति हमारी जिम्मेदारियों पर जोर दिया है कि देश प्रेम के बिना हृदय पत्थर के समान है। उन्होंने यह भी कहा है कि जिसने अपनी जाति या समुदाय का उद्धार नहीं किया, उसका स्वयं का उद्धार भी नहीं होगा, जिससे सामाजिक जिम्मेदारी का महत्त्व स्पष्ट होता है। वे बताते हैं कि हमें उस देश के प्रति संवेदनशील होना चाहिए जिसने हमें सब कुछ दिया है। अंत में, वे यह कहकर प्रेरित करते हैं कि देश के लिए कुछ भी करने की शक्ति हमारे अपने हाथों में है, हमें बाहरी साधनों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

*** निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** [20]

वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।
जो जीवित जोश जगा न सका,
उस जीवन में कुछ सार नहीं।
जो चल न सका संसार-संग,
उसका होता संसार नहीं।
जिसने साहस को छोड़ दिया,
वह पहुँच सकेगा पार नहीं।

56. कविता के अनुसार, जिस व्यक्ति ने साहस छोड़ दिया, वह क्या नहीं कर पाएगा?
(अ) जीवन में खुश नहीं रह पाएगा
(ब) संसार को नहीं समझ पाएगा
(स) लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाएगा
(द) दूसरों की सहायता नहीं कर पाएगा

57. 'संसार-संग' न चलने वाले व्यक्ति का क्या होता है?
(अ) समाज में सभी उसके होते हैं
(ब) संसार उसका होता है
(स) परिवार उसके साथ होता है
(द) वह अकेला रह जाता है।

58. इन पंक्तियों का मुख्य भाव क्या है?
(अ) देशभक्ति की कमी
(ब) जीवन में जोश और साहस का महत्त्व
(स) सामाजिकता का अभाव
(द) उपरोक्त सभी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

59. कवि ने हृदय को पत्थर के समान क्यों कहा है?
60. 'उस जीवन में कुछ सार नहीं' कवि ने यह किसके लिए कहा है?

उत्तर : 1. (स) लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाएगा
2. (ब) संसार उसका होता है
3. (द) उपरोक्त सभी
4. कवि ने हृदय को पत्थर के समान इसलिए कहा है क्योंकि उसमें अपने देश के प्रति प्रेम का अभाव है।
5. यह उन लोगों के लिए कहा गया है जो अपने जीवन में जीवित जोश या उत्साह जगाने में असमर्थ हैं।

जिसकी मिट्टी में उगे बढ़े,
पाया जिसमें दाना-पानी।
हैं माता-पिता बंधु जिसमें,
हम हैं जिसके राजा-रानी ॥
जिसने कि खजाने खोले हैं,
नव रत्न दिये हैं लासानी।
जिस पर ज्ञानी भी मरते हैं,
जिस पर है दुनिया दीवानी ॥
61. कवि के अनुसार हमें दाना-पानी कहाँ से प्राप्त हुआ है?
(अ) नदियों से (ब) आसमान से (स) मातृभूमि की मिट्टी से (द) विदेश से
62. देश ने हमें कैसे रत्न दिए हैं?
(अ) पुराने (ब) साधारण (स) नए और बेमिसाल (द) उधार के
63. कवि के अनुसार, ज्ञानी पुरुष किस पर मरते हैं?
(अ) धन पर (ब) यश पर (स) अपने देश की गरिमा पर (द) शक्ति पर
64. कविता में मिट्टी का क्या महत्त्व बताया गया है?
65. कवि क्यों कहते हैं कि 'हम हैं जिसके राजा - रानी'?

उत्तर : 1. (स) मातृभूमि की मिट्टी से
2. (स) नए और बेमिसाल
3. (स) अपने देश की गरिमा पर
4. कविता में मिट्टी का महत्त्व यह बताया गया है कि इसी मिट्टी में हम जन्म लेकर बड़े हुए हैं और इसी से हमें जीवन-यापन के लिए अन्न-जल प्राप्त हुआ है।
5. कवि यह कहकर देश पर अपना अधिकार, गर्व और अपनेपन का भाव व्यक्त करते हैं, जैसे राजा-रानी अपने राज्य पर करते हैं।

जिससे न जाति-उद्धार हुआ,
होगा उसका उद्धार नहीं।
जो भरा नहीं है भावों से,
बहती जिसमें रस-धार नहीं।
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।
66. कवि के अनुसार किसका उद्धार नहीं हो सकता?
(अ) जिसने धन नहीं कमाया
(ब) जिसने साहस छोड़ दिया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(स) जिससे जाति-उद्धार नहीं हुआ
(द) जिसने प्रेम नहीं किया
67. 'बहती जिसमें रस-धार नहीं' पंक्ति के अनुसार हृदय में किसकी कमी है?
(अ) पानी की (ब) उत्साह की
(स) प्रेम या आनंद की (द) शक्ति की
68. कवि किस हृदय को 'पत्थर' कहता है?
(अ) जिसमें क्रोध हो
(ब) जिसमें दया न हो
(स) जिसमें स्वदेश का प्यार न हो
(द) जिसमें जोश न हो
69. जिससे न जाति-उद्धार हुआ, होगा उसका उद्धार नहीं कवि इस पंक्ति से क्या कहना चाहते हैं?
70. 'जो भरा नहीं है भावों से' कहने का क्या अभिप्राय है?

उत्तर : 1. (स) जिससे जाति-उद्धार नहीं हुआ
2. (स) प्रेम या आनंद की
3. (स) जिसमें स्वदेश का प्यार न हो
4. कवि इस पंक्ति से यह कहना चाहते हैं कि जो व्यक्ति अपने समुदाय या समाज के कल्याण में योगदान नहीं देता, उसका स्वयं का भी भला या प्रगति संभव नहीं है।
5. इसका अभिप्राय यह है कि वह हृदय जिसमें प्रेम, करुणा और अन्य मानवीय संवेदनाएँ नहीं हैं, वह अधूरा है।

उस पर है नहीं पसीजा जो,
क्या है वह भू का भार नहीं।
निश्चित है निस्संशय निश्चित,
है जान एक दिन जाने को।
है काल-दीप जलता हरदम,
जल जाना है परवानों को ॥
सब कुछ है अपने हाथों में,
क्या तोप नहीं तलवार नहीं।
वह हृदय नहीं है, पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं ।
71. कवि के अनुसार, वह व्यक्ति क्या है जो अपनी मातृभूमि पर नहीं पसीजता?
(अ) एक ज्ञानी (ब) भू का भार (स) एक राजा (द) एक सेनानी
72. कवि ने 'काल-दीप' किसे कहा है?
(अ) समय को (ब) दीपक को (स) ज्ञान को (द) जीवन को
73. 'जल जाना है परवानों को' में 'परवानों' शब्द किसका प्रतीक है?
(अ) दीये का (ब) कीट-पतंगों का (स) मनुष्यों का (द) आग का
74. 'निश्चित है निस्संशय निश्चित, है जान एक दिन जाने को'- इन पंक्तियों से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?
75. 'काल-दीप जलता हरदम, जल जाना है परवानों को'- कवि ने जीवन की तुलना किससे की है और क्यों?

उत्तर : 1. (ब) भू का भार
2. (अ) समय को
3. (स) मनुष्यों का
4. इन पंक्तियों से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि जीवन क्षणभंगुर है और मृत्यु निश्चित है, इसलिए व्यक्ति को जीवन रहते हुए सार्थक कार्य करने चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

5. कवि ने जीवन की तुलना 'काल-दीप' (समय के दीपक) से की है, क्योंकि जैसे दीपक जलते हुए अंततः समाप्त हो जाता है, वैसे ही जीवन भी समय के साथ समाप्त हो जाता है।

----- -----

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in